By Speed Post

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

Government of India
राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
National Commission for Scheduled Tribes

6th floor, 'B' Wing, Loknayak Bhawan
Khan Market, New Delhi-110 003.

File No. Tour Report/17/ONGC(Assam)/VC/2018/RU-I

Date: 25/09/2018

To

1. The Chief Secretary,
Govt. of Assam,
Dispur, Guwahati,
(Assam).

2. The Secretary,
Ministry of Tribal Affairs,
Shastri Bhawan,
New Delhi – 110001.

3. The DGM (HR),
Oil & Natural Gas Corporation Ltd.,
Nazira,
District - Sivasagar -785685,
(Assam).

Sub: Visit Report of Ms. Anusuiya Uikey, Hon'ble Vice-Chairperson, NCST to Guwahai (Assam) on 20/21 April, 2018.

Sir,

I am directed to enclose a copy of visit report dated 20/21 April, 2018 of Ms. Anusuiya Uikey, Hon'ble Vice-Chairperson, NCST of Guwahati (Assam) for necessary action.

It is requested that action taken report on the suggestions made by Hon'ble Member may please be sent to the Commission at the earliest.

Enclosure: as above.

Yours faithfully,

(Rajeshwar Kumar)
Assistant Director
Tel: 011-24641640.

Copy to:

NIC for uploading on the website of the Commission.

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग,

सुश्री अनुसुईया उइके, उपाध्यक्ष

प्रवास प्रतिवेदन

1. दौरा करने वाले पदाधिकारियोंके नाम	**सुश्री अनुसुईया उइके** उपाध्यक्ष राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग, भारत सरकार **श्रीमती मीनाक्षी शर्मा** सहायक निर्देशक राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग, भारत सरकार क्षेत्रीय कार्यालय, रांचीझारखंड **श्री जितेन्द्र कुमार सोलंकी** उपाध्यक्ष के सहायक निज सचिव राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग भारत सरकार
2. दौरा की तिथि,दिन, दिनॉक, वर्ष	दिनॉक 20 अप्रैल 2018 से 21अप्रैल 2018 तक
3. दौरा किये गये स्थान	गुवाहाटी (असम प्रदेश)
4. मुख्य व्यक्ति / अधिकारीगण संगठनों से मिले	निम्नानुसार

1)	श्री रोहित सावनूर,जनरल,सेक्रेटरी,आल इंडिया एससी एसटी वेल्फेयर एसोसियोशन ओएनजीसी लि.
2)	श्री डी एम आर शेखर,ईडी अससेमेन्ट मैनेजर राजामुंदरी
3)	श्री पी आर मिली, अध्यक्ष,आल इंडिया एससी एसटी वेल्फेयर एसोसियोशन ओएनजीसी लिमिटेड,
4)	श्री विजयपाल कार्यकारी अध्यक्ष, आल इंडिया एससी एसटी वेल्फेयर एसो. ओएनजीसी लिमिटेड,
5)	श्रीमती शचि कक्कड, संचालक स्वंयसिद्धा स्वंय सेवी संस्था दिल्ली।
6)	श्री के.आंबेडकर चील लाईजनिंग आफिसर आल इंडिया एससी एसटी वेल्फेयर एसोसियेशन
7)	श्री अरिन्दम प्रिंस सलाहकार आल इंडिया जनजाति छात्र एसोसियेशन असम।
8)	आल इंडिया एससी एसटी वेल्फेयर एसोसियोशन ओएनजीसी लिमिटेड कार्यसमिति के सम्पूर्ण भारतवर्ष के लगभग 300 सदस्य
अधिकारी	
9)	श्रीमती मीनाक्षी शर्मा, सहायक निर्देशक, अनुसूचित जनजाति आयोग, क्षेत्रीय कार्यालय राची

5. दौरे के मुख्य बिन्दु

A. गुवाहाटी में आम नागरिकों एवं जनजाति प्रतिनिधियों से भेंट।

B. आल इंडिया एससी एवं एसटी कर्मचारी कल्याण एसोसियेशन आईल एण्ड नैचुरल गैस कारपोरेशन की कार्यसमिति में उपस्थिति एवं मार्गदर्शन।

सुश्री अनुसुईया उइके/Miss Anusuiya Uikey
उपाध्यक्ष/Vice Chairperson
राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
National Commission for Scheduled Tribes
भारत सरकार/Govt. of India

दिनॉक 21 अप्रैल2018

1. गुवाहाटी स्थित बैठक स्थल में पहुॅचने पर पदाधिकारियों, सदस्यों एवं स्थानीय जनजाति कलाकारों द्वारा परंपरागत तरीके से औपचारिक स्वागत किया गया। समापन कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर प्रारंभ किया गया।

2. जागरूकता, सॅस्कृति को जीवित रखने एवं स्मृति में रखने के लिये स्थानीय जनजाति कलाकारों द्वारा कलाकारों द्वारा सॉस्कृतिक कार्यक्रमों को प्रस्तुत किया गया।प्रमुख व्यक्तियों द्वारा जनजाति वर्गो के कर्मचारियों की समस्याओं कोप्रस्तुत किया गया एवं अपने विचारों और सुझावों को प्रस्तुत किया गया जिन्हें कि सुना गया।

(आल इंडिया एससी एवं एसटी कर्मचारी कल्याण एसोसियेशन आईल एण्ड नैचुरल गैस कारपोरेशन की कार्यसमिति में सुश्री अनुसुईया उइके जी उपाध्यक्ष, रा.अ.ज.जा.आ. एवं अन्य अतिथिगण)

3. विभिन्न वक्ताओं द्वारा जो विचार व्यक्त किये गये उनका संक्षिप्त विवरण इस प्रकार से है :–

   A. कार्यक्रम आयोजित करने के उद्देश्य से अवगत कराया गया।

   B. आदिवासी क्षेत्रों में परिवहन, संचार, बेसिक सुविधाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य इत्यादि की कमी से अवगत कराया गया।

   C. असम के छात्रों के साथ अन्याय होता है।

   D. अवैध प्रवासी भारतीयों की वजह से स्थानीय व्यक्तियों को परेशानी हो रही है और उनका हक मारा जाता है।

   E. निरंतर वनों का रकबा घट रहा है जो कि आदिवासियों वनवासियों के लिये चिंता का विषय है।

   F. निरंतर छात्रवृत्ति भी कम हो रही है और प्रतिभावान छात्रों को छात्रवृत्ति नहीं मिल रही है।

   G. जनजातियों की भाषा, धर्म और संस्कृति को संरक्षण दिया जाना चाहिए।

4. आल इंडिया ट्राईबल स्टूडेन्ट एसोसियेशन असम के अरिन्दम प्रिंस द्वारा एक ज्ञापन प्रस्तुत किया गया जो कि परिशिष्ट **अ** पर संलग्न है उसके प्रमुख बिन्दु इस प्रकार से हैं :–

   A. सर्वप्रथम स्टूडेन्ट एसोसियेशन के गठन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने बताया गया इस संगठन के द्वारा शिक्षा संबंधित कार्यक्रम, आदर्श लीडरशिप, शांति एवं समृद्धि एवं जनजातियों में अपना

सुश्री अनुसुईया उइके/Miss Anusuiya Uikey
उपाध्यक्ष/Vice Chairperson
राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
National Commission for Scheduled Tribes
भारत सरकार/Govt. of India

आत्मविश्वास जाग्रत करने का कार्य किया जाता है।

B. अनुसूचित जनजातियों के संविधानिक अधिकारों का हनन हो रहा है।

C. जनजातियों के बच्चें गरीबी की रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे हैं।

D. अनुसूचित जनजाति वर्ग के छात्र तथा नागरिक शिक्षा की सुविधा, चिकित्सा सुविधा, कृषि में सुविधाओं तथा इसी प्रकार की मूल भूत सुविधाओं से वंचित हैं।

E. शासकीय सेवाओं में तथा अन्य सभी क्षेत्रों में संविधान प्रदत्त अधिकारों को दिलाया जावे।

F. असम में बाहर के देशों से आए प्रवासियों की नागरिकता को समाप्त किया जावे और इसे रोका जावे।

G. अनुसूचित जनजाति वर्ग को मिलने वाले छात्रवृत्ति समय पर शीघ्र दी जावे।

H. जनजाति भाषाओं के संरक्षण एवं शिक्षा के लिये अलग से विभाग का गठन किया जाना चाहिए।

(आल इंडिया एससी एवं एसटी कर्मचारी कल्याण एसोसियेशन आईल एण्ड नैचुरल गैस कारपोरेशन की कार्यसमिति में सुश्री अनुसुईया उइके जी उपाध्यक्ष, रा.अ.ज.जा.आ. एवं अन्य अतिथिगण)

5. जनजाति वर्ग की जोरहाट की स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षा के लिये जागरूक, समाज सेविका के द्वारा भारत के लिये उल्लेखनीय कार्य किया गया है। उन्होंने 1943 में स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया था। उनके कार्यो को मंच स्मरण कर प्रेरणा प्राप्त की गई।

6. मैंने अपने उदबोधन में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के गठन के उद्देश्य, संवैधानिक प्रावधान, कार्यप्रणाली, अनुसूचित जनजाति समाज के संरक्षण के लिये संवैधानिक प्रावधान, उनके लिये बनाए गए एक्ट, कानून इत्यादि की विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। साथ ही आयोग की कार्यवाही से जो अपीलों में प्रकरण सफल हुए हैं उनके उदाहरण प्रस्तुत कर सभी को जागरूक करने का प्रयास किया गया। मैंने अपने उदबोधन में आगे कहा कि भारत देश की प्रगति, स्वतंत्र, निष्पक्ष सरकार एवं लोकतंत्र की स्थापना के लिये अच्छे व्यक्तियों का चुनाव आवश्यक है इसलिये इस पर विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए। मैंने कार्यसमिति के सदस्यों का आहवान किया कि वे सभी शिक्षित और सक्षम है इसलिये उनका सामाजिक दायित्व है कि वे अपने वर्ग के पिछड़े लोगों को जागरूक करें और संविधान प्रदत्त सुविधाएँ दिलाएँ ताकि देश सक्षम बन सके।

सुश्री अनुसुईया उइके/Miss Anusuiya Uikey
उपाध्यक्ष/Vice Chairperson
राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
National Commission for Scheduled Tribes
भारत सरकार/Govt. of India

(आल इंडिया एससी एवं एसटी कर्मचारी कल्याण एसोसियेशन आईल एण्ड नैचुरल गैस कारपोरेशन की कार्यसमिति में सुश्री अनुसुईया उइके जी उपाध्यक्ष, रा.अ.ज.जा.आ. एवं अन्य अतिथिगण)

7. मेरे द्वारा मुख्य रूप से उपस्थित सदस्यों को जो मार्गदर्शन दिया गया उसके प्रमुख बिन्दु निम्नानुसार हैं :–

A. भारत सारकार एवं अन्य कम्पनियॉ लाभॉश कमाती हैं और सीएसआर की श्रेणी में आती हैं उनकी इस मद की कुछ राशि का उपयोग जनजातियों के कल्याण में व्यय होना चाहिए।

B. डॉ. बाबा साहब अंबेडकर जी ने समाज के पिछड़े वर्गो के लिये कार्य किया है इसलिये हम आज इस मुकाम पर हैं।

C. ओएनजीसी तथा उसकी यह एसोसियेशन सराहनीय कार्य कर रही है। इसके लिये आएनजीसी का प्रबंधन तथा एसोसियेशन के श्री रोहित सावनूर एवं सभी पदाधिकारी प्रशंसा के पात्र हैं।

D. छात्र संघ द्वारा ज्ञापन में जो मुख्य बिन्दु प्रस्तुत किये हैं वे उपयुक्त हैं और उनपर आगामी समय में आयोग द्वारा कार्यवाही हेतु अनुशंसा की जावेगी और आयोग के प्रवास के समय मुख्यमंत्री जी और वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा की जावेगी।

E. भारत सरकार तथा प्रदेश सरकार के द्वारा जनजातियों की जिस भूमि का अधिग्रहण किया जाता है उसपर सम्पन्न व्यक्ति बलपूर्वक काबिज हो जाते हैं। इस पर शासन द्वारा विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

F. शासन द्वारा विस्थापितों की भूमि के बदले उन्हें रोजगार एवं भूमि उपलब्ध कराना चाहिए।

(आल इंडिया एससी एवं एसटी कर्मचारी कल्याण एसोसियेशन आईल एण्ड नैचुरल गैस कारपोरेशन की कार्यसमिति में उपस्थित सदस्य एवं सुश्री अनुसुईया उइके जी उपाध्यक्ष, रा.अ.ज.जा.आ.)

6. दिनॉक 17 अप्रैल 2018 जबलपुर–दिल्ली प्रस्थान, प्रवास सम्पन्न।

सुश्री अनुसुईया उइके/Miss Anusuiya Uikey
उपाध्यक्ष/Vice Chairperson
राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
National Commission for Scheduled Tribes

6.	अनुवर्ती कार्यवाही किया गया एवं किसके द्वारा :	❖ सीएसआर मद की निर्धारित राशि अनुसूचित जनजातियों के विकास पर ही व्यय की अनुशंसा की जाती है। ❖ परियोजनाओं में जनजातियों की भूमि का अधिग्रहण किया जाता है उनका पुर्नवास सही तरीके से किये जाने की अनुशंसा की जाती है। ❖ प्रतिवेदन के बिन्दु क्रमांक 3 में वर्णितनिम्नलिखित तथ्यों पर आवश्यक कार्यवाही की अनुशंसा की जाती है :– A. आदिवासी क्षेत्रों में परिवहन, संचार, बेसिक सुविधाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य इत्यादि की कमी को दूर किया जावे। B. असम के छात्रों के साथ अन्याय होता है। सरकार आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। C. अवैध प्रवासी भारतीयों की वजह से स्थानीय व्यक्तियों को परेशानी हो रही है और उनका हक मारा जाता है। इस संबंध में भारत सरकार एवं असम सरकार आवश्यक कार्यवाही करें। D. वनों का रकबानिरंतर घट रहा है जो कि जनजातियों के लिये चिंता का विषय है। वनों के घटते रकवे को रोककर वृद्धि की जावे। E. निरंतर छात्रवृत्ति कम हो रही है,प्रतिभावान छात्रों को छात्रवृत्ति नहीं मिल रही है।छात्रवृत्ति समय पर प्रदान करने की अनुशंसा की जाती है। F. जनजातियों की भाषा, धर्म और संस्कृति को संरक्षण दिया जाना चाहिए। शासन आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। ❖ आल इंडिया ट्राईबल स्टूडेन्ट एसो.असम द्वारा प्रस्तुत ज्ञापन पर असम सरकारएसोसियेशन से चर्चा कर आवश्यक कार्यवाही करने की अनुशंसा की जाती है। ज्ञापन के प्रमुख बिन्दु इस प्रकार से हैं :– A. अनुसूचित जनजातियों के संविधानिक अधिकारों का हनन हो रहा है। उसे रोका जाना चाहिए। B. जनजातियों के बच्चे गरीबी की रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे हैं। उनका जीवन स्तर उपर उठाने के लिये विशेष कार्यक्रम प्रारंभ करने की अनुशंसा की जाती है। C. अनु.जनजाति वर्ग के छात्र तथा नागरिक शिक्षा की सुविधा, चिकित्सा सुविधा, कृषि में सुविधाओं तथा इसी प्रकार की मूल भूत सुविधाओं से वंचित हैं। असम शासन आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। D. शासकीय सेवाओं में तथा अन्य सभी क्षेत्रों में संविधान प्रदत्त अधिकारों को दिलाया जावे। इस संबंध में असम सरकार समीक्षा कर उपयुक्त कार्यवाही सुनिश्चित करे। E. असम में बाहर के देशों से आए प्रवासियों की नागरिकता को समाप्त किया जावे और इसे रोका जावे। असम सरकार स्थानीय व्यक्तियों से चर्चा कर समस्या का निराकरण किया जावे। F. अनुसूचित जनजाति वर्ग को मिलने वाले छात्रवृत्ति समय पर प्रदान करने की अनुशंसा की जाती है। G. जनजाति भाषाओं के संरक्षण एवं शिक्षा के लिये असम सरकार द्वारा अलग से विभाग का गठन किया जाना चाहिए।

(सुश्री अनुसुईया उइके)
उपाध्यक्ष राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग भारत सरकार, नई दिल्ली(**दौरा करने वाले पदाधिकारी का हस्ताक्षर**)

सुश्री अनुसुईया उइके/Miss Anusuiya Uikey
उपाध्यक्ष/Vice Chairperson
राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
National Commission for Scheduled Tribes
भारत सरकार/Govt. of India
नई दिल्ली/New Delhi

Martyr Kamala Miri Death Anniversary 2018

All India Tribal Students' Association, Assam (AITSAA).

Aim and Objective : To promote educational programmes for indigenous people. Quality leadership for the change nation with dignity, peace and prosperiry.Established on 1992 on 31 December

AITSAA-strongly raised voice Assam (India) for constitutional, democratic and indigenous human right towards the deprived, suppressed, exploited and discriminated scheduled tribal people of Assam and across the India since foundation. It's painful to inform you that, The ST people of Assam like Bodo, Miri (Mising), Karbi, Tiwa, Rabha, Sonowal Kachari, Deori, Mech Kachari, Dimasa etc ST peoples children, students' were live in BPL, below standard art of living at bank of river or edge of hills of Assam. There is business of none in education, right to education act violates, there is no transportation, govt. hospital, bank, lack of irrigation, hygienic bio-diversity, scanty use of modern technology in agriculture, flood and erosion effected landless, homeless although aforesaid ST people are son of this soil. Now a days, the tribal people of Assam decries save our soul (SOS). Though the simple and innocent ST people of Assam were caste vote, participate every election for better India, love India by heart, believed themselves proudly as an Indian for peace and prosperity. Therefore, The AITSAA always dared to raise voice to immediate survey and demarcation of boundary of tribal belt and block, We want Special drive for placement/recruitment of unemployed/employable educated, qualified ST youth as per reservation procedure or constitutional provision, to stop lackadaisical attitude of govt. towards the ST people of Assam / ST employees, stop the unconstitutional, undemocratic, anti-tribal rule in Assam and across India. Stop misbehaving with killing of students and common people of Assam and North East in New Delhi and other places across India and abroad. Vehemently opposes grant of ST status to the demanding six communities of Assam. Stop the issue of citizenship bill in the name of religion like Hindu Bangladeshi. This kind of citizenship issue will be adverse effect of communal dispute which is creates by govt. themselves. We vehemently opposes to grant citizenship of illegal immigrant, from Bangladesh (both Hindu/Muslim), Nepal, Bhutan and other foreigner. Because the burden of population explosion in Assam pull down the rural economy, shortage of land, shortage of food production, rapidly increasing unemployment problem, poverty, increasing inflation, decreasing forest and wild animal, the people of Assam's health, quality education and economy were totally below or marginalized as noticed. It's deplored that ST peoples students ST scholarship were irregular and fully exploited by the past congress govt. Therefore AITSAA always strongly demand to CBI enquiry Scholarship scam and also demand intervention by PM of India for deprived students' justice. We also demand regular and prompt delivery of ST Scholarship to genuine ST students from LP School, college, University onwards by the WPT dep't. Besides, we doubted the Tribal development fund were divert to generalized waste by State govt. of Assam instead of welfare of ST people of Assam. The AITSAA demand Separate Directorate of Tribal Language and Education Board for better upliftment of ST peoples language, literature, cultural promotion, Right to education in mother tongue.

AITSAA remembered Martyr Kamala Miri

Martyr Kamala Miri was the first ST person who sacrifice his life without fear for the independent from colonial British rule on 23rd April 1943 at Jorhat Central Jail, Assam. Martyr Kamala Miri was son of Late Sikho Miri, Village of Upper Temera Gaon, Ps-Dergaon, Dist-Sibsagar District then now belong to Golaghat district.

-"I move like a hero and die like a hero" it's the Kamala Miri's signature voice against the colonial ruler. The real hero of Indian Kamala Miri Was admitted to the Jail on 13-10-1942, continued to 'Onoshon' before freedom India and Kamla Mira was died on

23rd April 1943. Martyr Kamala Miri was always demand justice for exploited and backward classes of the region from British rule. He used to awareness against drugs, Aphing, wine shop, banned foreigners cargo cloths, produce own attire in tribal village, joined activities of derailed British railway. The follower of Mohandas Karamchand Gandhi, Kamala Miri was always support Swadeshi Andulon, Quite movement India, None violence movement. Bravely protest, picketing, raised slogan in front of British Police outpost in past. By the way, we the AITSAA demand Bogibeel bridge will be renamed like Martyr Kamala Miri bridge, to set up statue of Martyr Kamala Miri infront of Kaziranga national park. Martyr Kamala Miri Civi Hospital, Bokakhat should be improved infrastructure for its better utilities of rural health.

In this connection, AITSAA also demand to rename Kaziranga national Park as Mohi Miri National park. Mohi Miri was discovered Kaziranga national park in world map, like Bapuram Kachari Manash national park, demand to declared Bharat Ratna Award to Jononeta Bhimbor Deori posthumously and Bhangagarh Overfly should be renamed Bhimbor Deori as soon as possible.

Martyr Kamala Miri Award 2018 to Punaram Mili

Renowned Social Worker President of All India SC/ST Employees Welfare Association, ONGC, Cum Chairman, Nest Foundation, UNO recognized

All India Tribal Students' Association Assam (AITSAA) declared its firstever Martyr Kamala Miri Award 2018 to renowned social worker Punaram Mili on 8th February 2018 by jury board of AITSAA. Martyr Kamala Miri was sacrifice his life for Indian freedom movement at Jorhat central Jail in 1943 on 23rd April. Therefore All India Tribal Students' Association, Assam (AITSAA) going to observe his death anniversary on 21st, 22nd and 23rd April 2018 at Taj Vivanta and Dispur Press Club, Guwahati on 3 day long function. On this auspicious occasion of Martyr Kamala Miri's 76th death anniversary AITSAA going to felicitation Kamala Miri Award 2018 to Punaram Mili, president of All India SC/ST employees Welfare Association for his endeavors and unique contributions to the deprive and neglected society. Noted public worker Punaram Mili is the Chairman of NEST foundation who was established various schools, Nursery, Junior college in remote area of Desangmukh, Sivasagar, Dhakuwakhana, Lakhimpur, Majuli, Gogamukh, Dhemaji Assam-North-East and across the nation. We observed him and his productivity work, lots of job for public welfare by Punaram Mili and his team is highly appreciate. His keen interest to serve poor and needy people, upliftment of proper education, effort to make infrastructure with his dynamic leadership is admirable. He make such shelter to talented youth, sportsperson, artiste, artist, engage in promote of colourful culture of SC/ST people of Assam. The President of Sivasagar district Kriha Santha is always support athletic to play for Assam and nation. Besides Noted Social worker Punaram Mili was also awarded Samas Sarathi Award 2018 by Sivasagar district Sahitya Sabha in last year and he has always demands for constitutional and democratic right and justice towards the backward people of Assam and across India within his capacity.

Today, we have golden opportunity presented Martyr Kamala Miri Award 2018 to Renowned Social Worker Punaram Mili in present of honorable Miss Anusuya Uike, Vice Chairman of National Commission for Scheduled Tribes, Govt of India and other dignitaries on 21st April 2018, Saturday, at Taj Vivanta, Guwahati, Assam. Thanking You.

Your Sincerely

Arindom Prince Panging
Adviser, All India Tribal Students' Association, Assam (AITSAA)
Martyr Kamala Miri Death Anniversary 2018,
Date : 21st April 2018. Vanue : Taj Vivanta, Guwahati
Phone— 7663024748